



B  
3.3.83

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 23]

नई दिल्ली, शनिवार, जून, 4, 1983/ज्येष्ठ 14, 1905

No. 23]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 4, 1983/JYAISTHA 14, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिसे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 4  
PART II—Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किये गये संविधिक नियम और आदेश  
Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence

## रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, 22 अप्रैल, 1983

का०नि०आ० 163.—केन्द्रीय सरकार नीसेना अधिनियम 1957 (1957 का 62) की धारा 184 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीसेना (अनुशासन और प्रकीर्ण उपबंध) विनियम, 1965 का और संशोधन करने के लिए तिमस्लिखित विनियम बनाती है:—

(1) (1) इस विनियमों का संशिलन नाम “नीसेना (अनुशासन और प्रकीर्ण उपबंध) विनियम, 1983” है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की सारीख को प्रवृत्त होंगे।

नीसेना (अनुशासन, प्रकीर्ण उपबंध) विनियम, 1965 में किए गए पूर्व संशोधन

क्रमसं०	संशोधन विनियम	संशोधन का प्राधिकार अर्थात् का०नि०
		आ० संख्या

1	2	3
1. 209(9)	15 ई तारीख 15-5-87 (नो० आ० 183/67)	
2. 221 [उप-विनियम] (1) का	3 ई तारीख 27-3-89 (प्रतिस्थापन)	(नो० आ० 546/68)
3. 7, 12, 21, 38, 41, 43, 65, 68, 70, 76	8 ई तारीख 8-7-88	

1	2	3
4. नीसा विनियम 7ए जोड़ा गया।	126 तारीख 5-1-70	
5. 198 उप-विनियम (1) को प्रतिस्थापित किया जाएगा।	65 तारीख 5-1-70	
6. 198 उप-विनियम (ii) को अन्त स्थापित किया जाएगा।	314 तारीख 14-8-71	
7. 7, 13, 30, 36, 37, 38, 39, 50, 51, 53, 56, 59, 78, 84, 222, 225, 234 परिवर्णित।	वर्ष 1973	
8. 73, 86, को प्रतिस्थापित किया जाएगा प्रलेख 4 में परिवर्णित I का संशोधन किया जाएगा।	37 तारीख 20-12-73	
9. सम्पूर्ण विनियम में, “इफट” (बदली) और “एडवांसमेंट” (उपलब्धि) शब्दों के स्थान पर जहाँ कही भी वे आते हैं ‘स्थानान्तरण और “प्रोग्रेसि” शब्द रखे जायेंगे।	360 तारीख 10 नवम्बर, 1973	

1	2	3
10. 7, 13, 16, 29, 30, 36, 37, 38 39, 50, 51, 53, 56, 59, 63, 74, 84, 103, 119, 222, 223, 234 और परिशिष्ट <sup>1</sup> का संशोधन किया गया ।	199/74 तारीख 10-9-74	(2) उप विनियम (1) के अंतर्गत विए गए शब्दों के लिए प्रशासनिक प्राधिकारी का अनुमोदन अपेक्षित होगा।
11. 189	2 तारीख 23-12-78	(3) जब भी किसी मास्टर चीफ पेटी अफसर को संक्षिप्त प्रक्रिया के पश्चात प्रोत्साहन के लिए रेक में ज्येष्ठता के सम्पर्करण से या समय 'T' के सम्पर्करण, से दण्डित किया जाता है, तो उसकी उसके आवरण अधिकारी पद्धति में, उसके सेवा प्रमाणपत्र के पृष्ठ 4 पर तथा ऐसे अन्य स्थानों पर, जो आवश्यक समझे जाएँ, तत्परती इंदराज किए जायें।
12 2, 5, 7क, 13, 14, 15, 16, 19, 20, 34, 37, 38, 40, 41, 51 से 54 तक सोप किया जाएगा, ) 55, 56, 58, 59, 63, 64, अध्याय III का शीर्षक 74, 79, 80, 81 (लोप किया जाएगा) 82, 83, 84, 93, 94, 114क (अन्तः स्थापित किए जायेंगे), 115, 121, 136, 138, 139, 146, 155, 158, 177, 185क अन्तः स्थापित किए जायेंगे, 187 193क से पहले केन्द्रीय शीर्षक अन्तः स्थापित किए जायेंगे, 209, 215, 216, 219, 222, 226, 230, 231, 232, 239, परिशिष्ट II और परिशिष्ट IV अन्तः स्थापित किए जायेंगे।	(4) ज्येष्ठता के सम्पर्करण के बाहर का प्रभाव धारा 82 की उपधारा (11) और (13) में अधिकृति रूप में होगा।	
	का० निं० आ० 247 तारीख 1 सितम्बर, 1981	(5) प्रोत्साहन के लिए समय के सम्पर्करण का बाहर किनिदिष्ट समय तक प्रोत्साहन में विकल्प करेगा।"
		(6) अध्याय 4, के पश्चात निम्नलिखित नया अध्याय अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात्—

#### "अध्याय IV—क

कमाण्डर की रेक से नीचे अफिसरों को संक्षिप्त प्रक्रिया दण्ड

147क धारा 94 के अधीन संक्षिप्त प्रक्रिया दण्ड का अधिनिर्णय धारा 94 के अधीन, केन्द्रीय भरकार या नी सेनाध्यक्ष या मौसमिक कमान का एक अफिसर कमार्डिंग-हॉक या पोत का कमान अफिसर या नीसेना अकादमी का प्रभारी अफिसर, कमाण्डर की रेक से नीचे के किसी भी अफिसर पर संक्षिप्त प्रक्रिया दण्ड प्रवान कर सकता है।

147 ख पोतों के कमान अफिसर या नीसेना अकादमी के आफसर इंचार्ज द्वारा छोटे दण्डों का अधिनिर्णय— (1) किसी पोत का कमान अफिसर या नीसेना अकादमी का आफिसर इंचार्ज, प्रशिक्षणाधीन किसी भी अधीनस्थ अफिसर पर धारा 94 की उपधारा— (5) के अधीन निम्नलिखित दण्ड अधिरोपित कर सकेगा।

(क) तीन घण्टावण्ड

(ख) घण्टावण्ड

(ग) 14 दिन से अनधिक की अवधि के लिए छूटी का रोका जाना

(घ) 10 दिन से अनधिक की अवधि के लिए अतिरिक्त कार्य शैर/ या द्रिल।

(2) उप-विनियम (1) के अधीन दण्ड अधिरोपित करने के लिए किसी पोत के कमान अफिसर या नीसेना अकादमी के आफिसर इंचार्ज के लिए वह आवश्यक नहीं होगा कि वह अभियुक्त अफिसर पर कारण बताओ सूचना की तामील करे अथवा अभियुक्त अफिसर को अक्तिगत रूप से या उसके प्रिय या काउन्सेल द्वारा मुने।

147 ग. कमान अफिसर द्वारा दण्ड का अधिरोपण— (1) जब कोई कमान अफिसर द्वारा 94 की उपधारा (3) के अधीन किसी अधीनस्थ आकादमी छोटे प्रोत्साहन के लिए रेक में ज्येष्ठता के या समय के सम्पर्करण का दण्ड अधिनिर्णय करने की प्रस्थापना करता है तो उस अभियुक्त अफिसर को उप-विनियम (2) में विनिदिष्ट रीति में कारण दर्शात करने का अवसर प्रिय या काउन्सेल द्वारा मुने।

(2) जब किसी अधीनस्थ आफिसर के अधिकार पर रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात कमान अफिसर की यह राय हो कि उस अफिसर का अधिकार दण्डित किए जाने के योग्य है तो वह उस अफिसर को उसके प्रतिकूल सभी रिपोर्टी सहित, सूचित करेगा और उससे प्रतिरक्षा में अपना विचित्र स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने की अपेक्षा करेगा।

परम्परा यह कि कमान अफिसर किसी ऐसी रिपोर्ट को यदि उसका प्रकटीकरण लोकहित में नहीं है, तो प्रकट करने से रोक सकेगा।

(3) विनियम 15 के उपविनियम 2 में "निरोध" शब्द के पश्चात् "सं० 3(क) रेक में ज्येष्ठता का सम्पर्करण और सं० 3ख—प्रोत्साहन के लिए समय का सम्पर्करण" शब्द और अंक जोड़ जायेगे;

(4) विनियम 30 के उपरान्त, निम्नलिखित विनियम जोड़ा जाएगा, अर्थात्—

"37क ज्येष्ठता का सम्पर्करण (सं० 3क) प्रोत्साहन के लिए समय का सम्पर्करण (सं० 3ख)—(1) किसी भी मास्टर चीफ पेटी अफिसरों को संक्षिप्त प्रक्रिया के पश्चात प्रोत्साहन के लिए रेक में ज्येष्ठता के सम्पर्करण या समय के सम्पर्करण का दण्ड दिया जा सकता है, किन्तु उसकी अवधि 12 मास से अधिक की नहीं होगी।

(3) आफिसर का स्पष्टीकरण, यदि कोई हो तो प्राप्त होने पर कमान अफसर उस पर विचार करेगा और यदि उसे असमाधानप्रद पाया जाता है, तो धारा 94 की उपधारा (3) के अधीन समक्ष हप में ग्रोप्पिंग के लिए रेंक में ज्येष्ठता था। मनव के समपहरण का दण्ड अधिरोपित कर सकता। यदि इसे गढ़ दण्ड में रेंक में ज्येष्ठता के समपहरण अन्वयित है तो इसके लिए नौसेनाध्यक्ष का, या यदि अभियुक्त किसी नौसेना कमान में सेवारन है तो उसके पाले, आफिसर कमार्डिंग-इन-चीफ का पूर्व अनुमोदन अपेक्षित होगा।

147८. अवधार रिपोर्ट पर नौसेना कमान के पाले आफिसर कमार्डिंग-इन-चीफ द्वारा कार्रवाई।—(1) यदि अभियुक्त का ध्यानपूर्वक अध्ययन करने पर पाले आफिसर कमार्डिंग-इन-चीफ की यह राय हो कि प्रथम दृष्ट्या सामला है और यह कि यदि आरोप संकेत हो गए तो उसके लिए दण्ड देना उसकी सकियतों के भीतर होगा वह अधिनियम 147९ तथा 147८ में यथा उपर्युक्त मामले के विचारण के लिए अप्रमान होगा। परन्तु यदि उसकी यह राय हो कि आरोप यदि साक्षित हो गए तो वह देना उसकी सकित से बाहर होगा, तो, वह,

(क) इस निमित्त एक रिपोर्ट तैयार करेगा और उसे यसी मुसमत दस्तावेजों के साथ धारा 94 के अधीन कार्रवाई किए जाने के लिए, नौसेनाध्यक्ष को भेजेगा, या

(ख) अभियुक्त के विचारण के लिए “सेना न्यायालय” गठित करने की कार्रवाई करेगा।

(2) उपर्युक्त उप विनियम (1)(क) में यथा अनुद्घात कार्रवाही करने से पूर्व पाले आफिसर कमार्डिंग-इन-चीफ अभियुक्त से यथा निम्न-लिखित पूछेंगा—

“क्या आप धारा 94 के अधीन सक्षित प्रक्रिया अधिनियम स्वीकार करने के लिए गहमत हैं या आप चयन करते हैं कि आपके मामले पर संक्षेप अदालत विचार करें।”

(3) यदि अभियुक्त आफिसर सेना न्यायालय द्वारा विचारण किए जाने का चयन नहीं करता है और धारा 94 के अधीन संक्षिप्त विचारित किए जाने के लिए सहमति प्रदान करता है तो इस मामले को नौसेना अध्यक्ष के पास नियमित के लिए भेजने से पूर्व सम्बद्ध कार्यवाही में उस आण्य का संकेत कर दिया जाएगा।

(4) यदि अभियुक्त आफिसर सेना न्यायालय द्वारा विचारण किए जाने का चयन नहीं करता है और धारा 94 के अधीन संक्षिप्त विचारित किए जाने के लिए सहमति प्रदान करता है तो इस मामले को नौसेना अध्यक्ष के पास नियमित विचारण के लिए आवश्यक कार्यवाही में उस आण्य का संकेत कर दिया जाएगा।

147९. नौसेना कमान के पाले आफिसर कमार्डिंग-इन-चीफ द्वारा दण्ड का अधिरोपण (1) जब किसी नौसेना कमान का पाले आफिसर कमार्डिंग-इन-चीफ धारा 94 की उपधारा 2क के अधीन वह का अधिनियमित करता चाहता है तो अभियुक्त आफिसर को उप-विनियम (2) में विनियिवृद्ध रूप में कारण देने का अवसर दिया जा सकेगा।

(2) आफिसर के अवधार पर रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात यदि नौसेना कमान के पाले आफिसर कमार्डिंग-इन-चीफ की यह राय हो कि आफिसर का अवधार विष्वित किए जाने योग्य है, तो वह आफिसर को उसकी प्रतिकूल सभी रिपोर्टों के साथ सूचित करेगा और उसके प्रतिरक्षा में अपना लिखित स्पष्टीकरण देने की अपेक्षा करेगा:

परन्तु पाले आफिसर कमार्डिंग-इन-चीफ किसी ऐसी रिपोर्ट को, यदि उसका प्रकटीकरण लोक हित में नहीं है, तो प्रकट करने से रोक सकेगा।

(3) आफिसर का स्पष्टीकरण, यदि कोई हो तो, प्राप्त होने पर नौसेना आफिसर कमार्डिंग-इन-चीफ के उस पर विचार करेगा और यदि वह असमाधानप्रद पाया जाता है तो वह—

(क) अधीनस्थ अफसर के मामले में, प्रोप्रति के लिए रेंक में ज्येष्ठता या समय के समपहरण का दण्ड, तीव्र विश्ववृष्ट या विश्ववृष्ट अधिरोपित कर सकेगा,

(ख) अधीनस्थ अफिसरों से मिश्र आफिसरों के मामले में, तीव्र विश्ववृष्ट या विश्ववृष्ट अधिरोपित कर सकेगा, या

(ग) अभियुक्त आफिसर को सेना न्यायालय द्वारा विचारण के लिए प्रसिद्धेपित कर सकेगा।

(4) जहां किसी अधीनस्थ आफिसर से मिश्र किसी आफिसर की दण्ड में नौसेना कमान का पाले आफिसर कमार्डिंग-इन-चीफ [यह समझता है कि यदि आरोप भवित हो गए तो वे अभियुक्त आफिसर के लिए प्रोप्रति के लिए रेंक में ज्येष्ठता या समय के समपहरण का दण्ड अधिनियमित किया जाना न्यायोत्तम ठहरायेंगे तो पाले आफिसर कमार्डिंग-इन-चीफ अभियुक्त आफिसर से यथा निम्नलिखित पूछेंगे :

“क्या मेरे द्वारा दिया गया संक्षिप्त-प्रक्रिया अधिनियम स्वीकार करने की आपको सम्मति है या आप यह चयन करते हैं कि आपके मामले पर सेना न्यायालय विचार करें।”

(5) यदि अभियुक्त आफिसर यह चयन करता है कि उसका सेना न्यायालय द्वारा विचारण किया जाए, तो उस प्रयोजन के लिए आवश्यक कदम उठाए जायेंगे।

(6) यदि अभियुक्त आफिसर सेना न्यायालय द्वारा विचारण किए जाने का चयन नहीं करता है और धारा 94 के अधीन संक्षिप्त प्रक्रिया के लिए सम्मति दे देता है तो इस आण्य का संकेत कार्यवाही में किया जाएगा और संक्षिप्त प्रतियोगी आरम्भ की जाएगी।

147८. अधीनस्थ आफिसर से मिश्र किसी आफिसर को प्रोप्रति के लिए ज्येष्ठता या समय के समपहरण के दण्ड का अधिरोपण (1) जब पाले आफिसर कमार्डिंग-इन-चीफ अभियुक्त आफिसर वे विचारण के लिए अप्रसर होता है तो वह अभियुक्त आफिसर के विरुद्ध लगाए गए आरोपों को पकड़कर भुगताएगा और उससे पूछेंगा कि वह स्वयं को दोषी होने का अभिवचन करता है या नहीं।

(2) यदि अभियुक्त आफिसर दोषी होने का अभिवचन करता है तो उसका दोषी होने का अभियाक अभिलिखित किया जाएगा और यदि अभ्य कोई आरोप विचारण के लिए नहीं है तो अभियुक्त को दण्ड में कमी करने से संबंधित कथन करने की अनुमती दी जा सकती। यदि अभियुक्त आफिसर मोर्चिक कथन करता है तो उसका सारांश या कथन, यदि वह विश्वित रूप में ही तो कार्यवाही के साथ मन्त्रम लगाया जाएगा।

(3) तत्प्रवात पाले आफिसर कमार्डिंग-इन-चीफ पूरे मामले पर विचार करेगा और ऐसा दण्ड देगा जो वह न्यायसंगत और उपयुक्त समझे।

(4) यदि अभियुक्त आफिसर नहाए गए आरोपों के बारे में स्वयं के दोषी होने का अभिवचन नहीं करता है, तो पाले आफिसर कमार्डिंग-इन-चीफ विचारण के संबंध में आगे कार्रवाई करेगा।

(5) सक्षियों का कथन, रिपोर्ट के साथ प्राप्त होने के पश्चात, उन्हें कार्यवाही का भाग बना दिए जाने पर, पाले आफिसर कमार्डिंग-इन-चीफ अभियुक्त आफिसर को मोर्चिक करेगा कि वह कोई कथन करने के लिए बाध्य नहीं है, किन्तु यदि वह चाहे तो लिखित या मोर्चिक कथन कर सकता है। अभियुक्त आफिसर का कथन मामले के लियों से, उसके अतिरिक्त से तथा दण्ड में कमी करने से संबंधित हो सकता है। यदि अभियुक्त आफिसर मोर्चिक कथन करता है तो उसका सारांश या कथन यदि वह विश्वित हो तो कार्यवाही का भाग रूप होगा।

(6) विचारण के अनुक्रम में, जब भी फैलैग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ को बाधनीय प्रतीत हो वह किसी भी ऐसे गवाह को जिसे वह मामले के उचित रूप से निपटाने के लिए आवश्यक समझता है तो बुला सकता है और उसकी परीक्षा कर सकता है। इस प्रकार बुलाए गए साक्षी की अभियुक्त आफिसर और यदि आवश्यक हो तो पेश करने वाला आफिसर द्वारा प्रति परीक्षा की जा सकती है।

(7) ऐसे किसी साक्षी का साथ पृथक पग्ने पर वृत्तांत रूप से संतोष से अभिलिखित किया जाएगा और उसे कार्यवाही के साथ संग्रह कर विद्या जाएगा।

(8) यदि सारे मामले पर विचार करने के पश्चात् फैलैग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ किसी एक आरोप पर अभियुक्त को बाधी नहीं पाता है तो वह उस आरोप से बोक्युक्त कर देता है। यदि अभियुक्त आफिसर सभी आरोपों से बोक्युक्त कर दिया जाता है तो फैलैग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ दोषमुक्त होने का अपना निष्कर्ष अभिलिखित करेगा और उस आफिसर को बोक्युक्त कर देगा।

(9) यदि सम्पूर्ण मामले पर विचार करने के पश्चात् फैलैग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ अभियुक्त आफिसर को किसी एक या सभी आरोपों पर बोधी पाता है तो वह धारा 94 के अधीन समाकृत उपर्युक्त दण्ड का अधिनिर्णय कर सकेगा।

147 छ. अधीनस्थ आफिसरों से भिन्न आफिसर के विचारण के संबंध में प्रक्रिया:- (1) नौसेना कमान के फैलैग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ द्वारा अधीनस्थ आफिसर से भिन्न किसी आफिसर से संबंध में विचारण की कार्यवाहिया जहां आरोप यदि साक्षित हो गए तो बोनंटि के लिए रैक में ज्येष्ठता या समय के सम्पर्क का अधिनिर्णय न्यायोचित ठहराएंगे, यथासंभव ऐसे अवसर से, जो प्रत्येक मामले की परिस्थितियों से आवश्यक हो, परिविष्ट V में दिए गए विहित प्ररूप में अभिलिखित किया जाएगा। अभियुक्त आफिसर के अवचार से संबंधित फैलैग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ को प्रस्तुत की गई रिपोर्ट में अन्य वार्ताएँ के साथ-साथ सम्बन्धित रूप से हस्ताक्षरित साक्षी का कथन और उन आरोपों की सूची जिन के लिए आफिसर पर दोषारोपण किया गया है, अन्तिमिण्ठ होती।

(2) अभियुक्त आफिसर का विचारण ऐसे स्थान, नागरिक और समय पर हो सकता है, जो फैलैग अफसर कमांडिंग-इन-चीफ को सुविधाजनक हो।

(3) कमान आफिसर या उसके द्वारा नामनिर्दिष्ट कोई अन्य उपर्युक्त आफिसर, फैलैग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के मामले अभियोजन का मामला प्रस्तुत करेगा और विचारण के द्वारा न मामला पेश करने वाले आफिसर के रूप में कार्य करेगा।

(4) फैलैग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ द्वारा नियुक्त कोई आफिसर अपने निवेशाधीन विचारण कार्यवाही का अभिलेख बनवाएंगा।

(5) अभियुक्त अपनी प्रतिरिक्त स्वयं करेगा और उसे किसी अन्य आफिसर या कार्यान्ते द्वारा प्रतिरक्षा कराने का हक नहीं होगा।

(6) फैलैग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ विचारण के द्वारा न उत्पन्न समस्त प्रश्नों का विनिष्टय करेगा।

147. ज. नौसेनाध्यक्ष द्वारा दण्ड का अधिरोपण -(1) रिपोर्ट प्राप्त होने पर जब नौसेनाध्यक्ष आफिसर के अवचार के कारण, धारा 94 की उपधारा (2) के अधीन प्रोनंटि के लिए रैक में समय के सम्पर्क का दण्ड देने की प्रास्थापना करता है, तो आफिसर को उपनिविष्ट (2) में विनिर्दिष्ट रीति में उस कार्रवाई के विश्व वार्ता का दर्शित करने का अवसर दिया जाएगा।

(2) जब आफिसर के अवचार की रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् नौसेना अध्यक्ष की यह राय हो कि आफिसर विभिन्न किए जाने योग्य

हैं, तो वह आफिसर को उसके विश्व सभी रिपोर्टों के साथ सूचित करेगा और उससे लिखित रूप में अपना स्पष्टीकरण और प्रतिरक्षा अपने इस विकल्प के साथ, यदि उसका प्रयोग उसके द्वारा पहले भी किया गया था तो, किया यह धारा 94 के अधीन संक्षिप्त प्रक्रिया अधिनिर्णय स्वीकार करने के लिए सम्मति देता है या सेना न्यायालय द्वारा विचारण किए जाने का चयन करता है, प्रस्तुत करने की अपेक्षा करेगा;

परन्तु यह कि नौसेनाध्यक्ष किसी ऐसी रिपोर्ट को, यदि उसका प्रकटीकरण लोकान्हित में नहीं है तो प्रकट करने से रोक सकेगा।

(3) आफिसर का स्पष्टीकरण, यदि कोई हो, प्राप्त होने पर और यदि आफिसर ने सेना न्यायालय द्वारा विचारण किए जाने के लिए चयन नहीं किया है तो नौसेनाध्यक्ष उस पर विचार करेगा और यदि वह असम्भावनप्रद पाया गया है तो वह—

(क) धारा 94 की उपधारा (2) के अधीन समाकृत रूप में प्रोनंटि के लिए रैक में ज्येष्ठता या समय के सम्पर्कण का दण्ड अधिरोपित कर सकेगा ; या

(ख) यदि वह समझता है कि उसकी शक्तियों के भीतर दण्ड पर्याप्त नहीं होगा तो वह सभी सुसंगत अभिलेखों सहित मामले की रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को धारा 94 की उपधारा (1) के अधीन कार्यवाही किए जाने के लिए भेज देगा या अभियुक्त आफिसर का सेना न्यायालय द्वारा विचारण किए जाने के लिए कार्रवाई करेगा।

147. झ. केन्द्रीय सरकार द्वारा दण्ड दिया जाना :-(1) आफिसर के अवचार की रिपोर्ट प्राप्त होने पर, जब केन्द्रीय सरकार अभियुक्त की धारा 94 की उपधारा (1) के अधीन प्रोनंटि के लिए रैक में ज्येष्ठता या समय के सम्पर्कण का दण्ड देने का प्रस्थापना करती है, तो आफिसर को उपनिविष्ट (2) में विनिर्दिष्ट रीति में कारण वर्णित करने का अवसर, यदि पहले ही कमांडिंग-इन-चीफ या नौसेनाध्यक्ष द्वारा नहीं दिया गया है, तो दिया जा सकेगा।

(2) जब आफिसर के अवचार की रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् केन्द्रीय सरकार की राय है कि आफिसर दण्डित किए जाने के योग्य हैं, तो वह आफिसर को उसके प्रतिकूल तभी अभिलेखों के साथ उस बारे में सूचित करेगी और उससे लिखित रूप में प्रतिरक्षा में उसका स्पष्टीकरण उसके द्वारा पहले नहीं किया गया तो, कि क्या वह धारा 94 के अधीन संक्षिप्त प्रक्रिया दण्ड स्वीकार करने के लिए सम्मति देता है या सेना न्यायालय द्वारा विचारण किए जाने का चयन करता है, प्रस्तुत करने की अपेक्षा करेगी : प्रस्तुत करने की अपेक्षा करेगी :

परन्तु यह कि केन्द्रीय सरकार किसी ऐसी रिपोर्ट की यदि उसका प्रकटीकरण लोकान्हित में नहीं है तो प्रकट करने से रोक सकेगा।

(3) आफिसर का स्पष्टीकरण, यदि कोई हो, प्राप्त होने पर, और यदि आफिसर ने सेना न्यायालय द्वारा विचारण किए जाने का चयन नहीं किया है तो, केन्द्रीय सरकार उस पर विचार करेगी और यदि उसका स्पष्टीकरण समाधानप्रद पाया जाता है, धारा 94 की उपधारा (1) के अधीन समाकृत रूप में प्रोनंटि के लिए रैक में ज्येष्ठता पर समय के सम्पर्कण का दण्ड अधिरोपित कर सकेगी।

147. झ. प्रोनंटि के लिए रैक में ज्येष्ठता या समय के सम्पर्कण के दण्ड का प्रभाव :— (1) ज्येष्ठता के सम्पर्कण और समय के सम्पर्कण के दण्ड, जो धारा 94 के अधीन अधिकारियों को अधिनिर्णय किए जाएं, वी सुधिन और पृथक दण्ड होंगे।

(2) जहां ज्येष्ठता के सम्पर्क का अधिनियम किया जाता है, वहां नौसेना सूची में आकिमर का ज्येष्ठता की आगे की सारी आगे का सम्पर्क के बारे में टिप्पण कर दिया जाएगा और जहां समय के सम्पर्क का अधिनियम किया जाता है, वहां उसके परिणामस्वरूप प्रोलिंग में विलम्ब वैवल उस सीमा तक होगा, जो सम्पर्क के अद्वितीय में विनियित है।

(3) धारा 94 के अधीन ज्येष्ठता के सम्पर्क का दण्ड बहुत गंभीर अवधार के लिए ही अधिरोपित किया जाएगा, और उस धारा के अधीन सामान्य दण्ड, समय का सम्पर्क होगा;

6. विनियम 220 का लोप किया जाएगा;

7. परिशिष्ट IV के पश्चात, निम्नलिखित परिशिष्ट अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्

**“परिशिष्ट-5”**

धारा 94 के अधीन कमांडर के नीचे की रेंक के आकिसरों के संक्षिप्त प्रक्रिया विचारण में प्रयोग के लिए प्रकल्प

(विनियम 147 अंत देखें)

अभियुक्त की रैंक और नाम.....  
पोत.....  
अभियुक्त से प्रश्न

1. क्या आपको आरोप पत्र और साक्षियों के कथन की प्रति मिल गई है?

उत्तर.....

2. क्या आपको अपनी प्रतिरक्षा की तैयारी करने के लिए पर्याप्त समय मिला है?

उत्तर.....

अधीनस्व आकिसर से जिस किसी आकिसर की वश में यदि सामान्य पर संक्षिप्त कार्रवाई करने वाला प्राधिकारी प्रोत्साहन के लिए रैंक में ज्येष्ठता या समय के सम्पर्क के दण्ड का अधिनियम करने की प्रस्थापना करता है तो अभियुक्त आकिसर से निम्नलिखित विकल्प के लिए पूछा जाएगा:—

क्या आप धारा 94 के अधीन संक्षिप्त प्रक्रिया अधिनियम स्वीकार करने के लिए सम्मति देते हैं या आप सेना स्थायालय द्वारा विचारण किए जाने का चयन करते हैं?

उत्तर.....

यदि अभियुक्त संक्षिप्त-प्रक्रिया अधिनियम स्वीकार करने के लिए सम्मति देता है तो आरोप पत्र पक्कर सुनाया जाएगा।

3. अपनी जो आरोप आपको पक्कर सुनाए गए हैं, आप उसके दंपों हैं या नहीं?

4. क्या आप कोई कथन करता आहते हैं?

[विनियम 147 अंत (5) के अनुसार चेतावनी दी जाएगी]

यदि मौखिक कथन किया जाता है तो उसका सारांश, या कथन, यदि वह लिखित हो तो संलग्न किया जाएगा।

अधीनस्व आकिसर से जिस किसी आकिसर के विचारण के अनुक्रम में, पैरैग थाकिसर कमांडिंग-इन-चीफ किसी भी साक्षी को बुला सकता है और उसको परीक्षा कर सकता है और उस साक्षी की अभियुक्त आकिसर द्वारा तथा आवश्यक होने पर, ऐसा करने वाले आकिसर द्वारा, प्रति परीक्षा की जा सकेगी। कथन का सारांश बृहत्तर रूप में कार्यवाही के साथ संलग्न किया जाएगा।

निष्कर्ष.....

अधिनियम.....

[फाइल सं. एम ए स/ 55 22]

सी.०पी.० मिश्र, निवेद शक (२ द्वी)

**Ministry of Defence**

New Delhi, the 22nd April, 1983

S.R.O. 163.—In exercise of the powers conferred by section 184 of the Navy Act, 1957 (62 of 1957), the Central Government hereby makes the following regulations further to amend the Navy (Discipline and Miscellaneous Provisions Regulations, 1965)\*, namely:—

1. (1) These Regulations may be called the Navy (Discipline and Miscellaneous Provisions) (Amendment) Regulations, 1983.

(2) They shall come into force at the date of their publication in the Official Gazette.

**\*EARLIER AMENDMENTS TO THE NAVY (DISCIPLINE, MISCELLANEOUS PROVISIONS)**

**REGULATIONS, 1965**

Sl. Regulations Amended	Authority for Amendment viz.
No.	S.R.O. No.

1. 209 (9) 15E dated 15-5-67 (No. 183/67)
2. 221 [Substitution of Sub-Regulation (1)] 3E dated 27-3-6 (No. 546/68)
3. 7, 12, 21, 38, 41, 43, 65, 68, 70, 76. 8E dated 8-7-68
4. New Regulation 7A inserted 126 dated 5-1-70
5. 198 Sub-Regulation (1) to be substituted. 65 dated 5-1-70
6. 198 Sub-Regulation (ii) to be substituted. 314 dated 14-8-71
7. 7, 13, 30, 36, 37, 38, 39, 50, 51, 53, 56, 59, 78, 84, 222, 225, 234, Appendix I. Year 1973.
8. 73, 86 to be substituted. Appendix I in form 4 to be amended. 37 dated 20-12-73
9. Throughout the Regulations for 360 dated 101 the word 'draft' and the word 'Nov. 75 'advancement' wherever occurs the word 'transfer' and the word 'promotion' shall be substituted.
10. 7, 13, 16, 29, 30, 36, 37, 38, 39, 50, 51, 53, 56, 59, 63, 74, 84, 10-9-74 103, 119, 222, 223, 234, and Appendix I amended.
11. 189 2 dated 23 Dec. 78.

12. 2, 5, 7A, 13, 14, 15, 16, 19, 29, SRP 247 dated 34, 37, 38, 40, 41, 51 to 54 (to 1 Sep 1981. to be omitted) 55, 56, 58, 59, 63, 64, Heading of Chapter III, 74, 79, 80, 81, (to be omitted), 82, 83, 84, 93, 94, 114A to be inserted, 115, 121, 136, 138, 139, 146, 155, 158, 177, 185A to be inserted. Addition of Central heading before 187, 193A to be inserted, 209, 215, 216, 219, 222, 226, 230, 231, 232, 239. Appendix II and Appendix IV inserted.

2. In the Navy (Discipline and Miscellaneous Provisions) Regulations, 1965 (hereinafter referred to as the principal Regulations).—

- (1) In sub-regulation (1) of regulation 7A, after the figure '3', the figures, letters and word "3A are 3B" shall be inserted;
- (2) In sub-regulation (1) of regulation 13, after the entry containing words and figures "No. 3—Dismissal from the naval service", the following entries shall be inserted, namely:—

No. 3A—Forfeiture of seniority in rank of not more than 12 months in case of Master Chief Petty Officers;

"No. 3B—Forfeiture of time for promotion of not more than 12 months in case of Master Chief Petty Officers".

3. In sub-regulation 2 of regulation 15, after the word "detention", the words and figures "No. 3A—forfeiture of seniority in rank and No. 3B—forfeiture of time for promotion" shall be inserted;

4. After regulation 37, the following regulation shall be inserted, namely:—

**"37A. FORFEITURE OF SENIORITY (NO. 3A) FORFEITURE OF TIME FOR PROMOTION (NO. 3B)"**

(1) A Master Chief Petty Officer may summarily be awarded punishment of forfeiture of seniority in rank or forfeiture of time or promotion or a period not exceeding 12 months.

(2) The punishment awarded under sub-regulation (1) shall require approval of the administrative Authority.

(3) Wherever a Master Chief Petty Officer has summarily been punished with forfeiture of seniority in rank or time for promotion, a notation shall be made in the conduct record sheet, page 4 of the service certificate and at such other places as considered necessary.

(4) The punishment of forfeiture of seniority shall have the effect as laid down in sub-sections (11) and (12) of section 82.

(5) The punishment of forfeiture of time for promotion shall delay the promotion by the time specified."

5. After Chapter IV, the following new Chapter shall be inserted, namely :—

**"CHAPTER IV—A  
SUMMARY PUNISHMENT OF OFFICERS BELOW  
THE RANK OF COMMANDER"**

147A Award of summary punishment under section 94.—The Central Government or the Chief of the Naval Staff or the Flag Officer Commanding-in-Chief of a naval command

or the commanding Officer of a ship or the Officer-in-charge of a naval academy may impose summary punishment on an officer below the rank of Commander as provided for in section 94.

148B. Award of minor punishment by Commanding Officer of Ships or Officer-in-charge of Naval Academy.—(1) The Commanding Officer of a ship or Officer-in-charge of the naval academy may impose on any subordinate officer whilst under training, the following punishments under sub-section (5) of section 94:—

- (a) Severe reprimand;
- (b) Reprimand;
- (c) Stoppage of leave for a period not exceeding 14 days;
- (d) Extra work and/or drill for a period not exceeding 10 days.

(2) For imposition of punishment under sub-regulation (1), it shall not be necessary for the Commanding officer of a ship or Officer-in-charge of the naval academy to serve a show cause notice to the accused officer or hear the accused officer in person or by any friend or counsel.

147C. Imposition of punishment by the Commanding Officer.—(1) When a commanding Officer proposes to award a punishment of forfeiture of seniority in rank or time for promotion to a subordinate officer under sub-section (3) of section 94, the accused officer may be given an opportunity to show cause in the manner specified in sub-regulation (2).

(2) When after considering the report on a subordinate officer's misconduct, a Commanding Officer is of the opinion that the misconduct of the officer deserves to be punished, he shall so inform the officer together with all reports adverse to him and call upon him to submit in writing his explanation in defence :

Provided that the Commanding Officer may withhold from disclosure any such report if its disclosure is not in the public interest.

(3) On receipt of the officer's explanation, if any, the Commanding Officer shall consider it and if the same is found unsatisfactory, may impose the punishment of forfeiture of seniority in the rank or time for promotion as empowered under sub-section (3) of section 94. Where the punishment awarded involves forfeiture of seniority in the rank, the same shall require approval of the Chief of the Naval Staff, or the Flag Officer Commanding-in-Chief of a naval command if the accused is serving in a command.

147D. Action by the Flag Officer Commanding-in-Chief of a naval command on misconduct report.—(1) If on a perusal of the record, the Flag Officer Commanding-in-Chief is of the opinion that there is a *prima facie* case and that the charges if proved would be within his powers to punish, he shall proceed to try the case as provided in regulation 14E and 147F. However, if he is of the opinion that the charge, if proved would be beyond his power to punish, he shall,

(a) make a report in this behalf and submit the same together with all the relevant records to the Chief of the Naval Staff for being dealt with under section 94; or

(b) proceed to convene a court-martial for the trial of the accused.

(2) Before proceeding with the action as contemplated in sub-regulation (1) (a) above, the Flag Officer Commanding-in-Chief shall ask the accused as follows :—

"Do you consent to accept a summary award under section 94 or do you elect to be tried by court-martial."

(3) If the accused officer elects to be tried by court-martial, necessary steps will be taken for that purpose.

(4) If the accused officer does not elect to be tried by court-martial and consent to be tried summarily under section 94, a notation to that effect shall be made in the proceedings of the case to be forwarded to the Chief of the Naval Staff for disposal.

147E. Imposition of punishment by Flag Officer Commanding-in-Chief of a naval command.—(1) When the Flag Officer Commanding-in-Chief of a naval command proposes to award punishment under sub-section 2A of section 94, the accused officer may be given an opportunity to show cause in the manner specified in sub-regulation(2).

(2) When after considering the report on the misconduct of an officer, the Flag Officer Commanding-in-Chief of a naval command is of the opinion that the misconduct of the officer deserves to be punished, he shall so inform the officer together with all reports adverse to him and call upon him to submit in writing his explanation in defence :

Provided that the Flag Officer Commanding-in-Chief may withhold from disclosure any such report if its disclosure is not in the public interest.

(3) On receipt of the officer's explanation, if any the Flag Officer Commanding-in-Chief shall consider it and, if the same is found unsatisfactory, may—

(a) Impose the punishment of forfeiture of seniority in the rank or time for promotion, severe reprimand or reprimand in case of subordinate officer;

(b) impose the punishment of severe reprimand or reprimand in case of officer other than subordinate officers; or

(c) remand the accused officer for trial by court-martial.

(4) Where in case of an officer other than a subordinate officer, the Flag Officer Commanding-in-Chief of a naval command considers that the charges if proved would justify the accused officer being awarded punishment of forfeiture of seniority in the rank or time for promotion, before proceeding further with the said charge, the Flag Officer Commanding-in-Chief shall ask the accused officer as follows:—

"Do you consent to accept summary award by me or do you elect to be tried by court-martial?".

(5) If the accused officer elects to be tried by court-martial the necessary steps for that purpose shall be taken.

(6) If the accused officer does not elect trial by court-martial and consents to the summary trial under section 94, a notation to this effect shall be made in the proceedings and the officer proceeded with summarily.

147F. Imposition of punishment of forfeiture of seniority or time for promotion on an officer other than a subordinate officer.—(1) When the Flag Officer Commanding-in-Chief proceeds with the trial of the accused officer, he shall read out the charge against the accused officer and ask him whether he pleads guilty or not guilty.

(2) If the accused officer pleads guilty, the plea of guilty shall be so recorded and if there are no further charge to be tried, the accused may be permitted to make a statement in mitigation of punishment. If the accused officer makes an oral statement, its gist or the statement, if in writing, shall be attached to the proceedings.

(3) The Flag Officer Commanding-in-Chief shall then consider the whole case and award such punishment as he considers just and proper.

(4) Where an accused officer pleads not guilty to the charges the Flag Officer Commanding-in-Chief shall proceed further with the trial.

(5) After the statements of witnesses received alongwith the report have been made part of the proceedings the Flag Officer Commanding-in-Chief shall inform the accused officer that he is not obliged to make any statement, but if he wishes to make a statement orally or in writing, he may do so. The statement of the accused officer may deal with the facts of the case, with his character and with matters in mitigation of punishment. If the accused officer makes an oral statement its gist or the statement, if in writing, shall form part of the proceedings.

(6) In the course of a trial wherever it appears desirable to the Flag Officer Commanding-in-Chief, he may call and examine any witness whom he considers essential for proper disposal of the case. The witness so called may be cross-examined by the accused officer and if necessary by the representing officer.

(7) The evidence of such a witness shall be recorded in brief in narrative form on a separate sheet and attached to proceedings.

(8) If on consideration of the whole case, the finding of the Flag Officer Commanding-in-Chief on any charge is one of not guilty, he shall acquit the officer of that charge. If the accused officer is acquitted of all the charges, the Flag Officer Commanding-in-Chief shall record the findings of not guilty and acquit the officer.

(9) If after considering the whole case, the Flag Officer Commanding-in-Chief finds the accused officer guilty on any or all of the charges, he may award proper punishment empowered under section 94.

147G. Procedure in respect of trial of officer other than subordinate officers.—(1) The proceedings of the trial of an officer other than a subordinate officer by the Flag Officer Commanding-in-Chief of a naval command, where the charges if proved would justify an award of forfeiture of seniority in rank or time for promotion, shall be recorded as far as possible, with such variations as are necessitated by the circumstances of each case in the prescribed form as at Appendix V. The report submitted to the Flag Officer Commanding-in-Chief relating to the misconduct of an accused officer shall, inter alia, contain the statement of witness duly signed and a list of charges of which the accused officer is assigned.

(2) The trial of an accused officer may take place at a venue, date and time convenient to the Flag Officer Commanding-in-Chief.

(3) The Commanding Officer or any other suitable officer nominated by him, shall present the case of the prosecution before the Flag Officer Commanding-in-Chief and act as the presenting officer during the trial.

(4) An officer appointed by the Flag Officer Commanding-in-Chief shall make a record of the proceedings of the trial under his directions.

(5) The accused shall defend himself and shall not be entitled to be defended by any other officer or counsel.

(6) The Flag Officer Commanding-in-Chief shall decide all questions arising in the course of the trial.

147H. Imposition of punishment by the Chief of the Naval Staff.—(1) On receipt of a report, when the Chief of the Naval Staff proposes to award a punishment of forfeiture of seniority in the rank or time for promotion under sub-section (2) of section 94 on account of misconduct of an officer, the officer may be given an opportunity to show cause, in the manner specified in sub-regulation (2) against that action.

(2) When after considering the report of an officer's misconduct, the Chief of the Naval Staff is of the opinion that the officer deserves to be punished, he shall so inform the officer together with all reports adverse to him and call upon him to submit in writing, his explanation and defence together with his option, if the same has not been exercised by him earlier, whether he consents to accept summary award under section 94 or elects to be tried by court-martial:

Provided that the Chief of the Naval Staff may withhold from disclosure any such report if its disclosure is not in the public interest.

(3) On receipt of the officer's explanation, if any, and if the officer has not elected to be tried by court-martial, the Chief of the Naval Staff shall consider it and if the same is found unsatisfactory:—

(a) May impose the punishment of forfeiture of seniority in the rank or time for promotion as empowered under sub-section (2) of section 94; or

(b) If he considers that the punishment within his powers shall not be adequate, submit a report of the case together with all the relevant records to the Central Government for being dealt with under sub-section (1) of section 94 or take steps to bring the accused officer to trial by court-martial.

**147I. Imposition of punishment by the Central Government.**—(1) On receipt of a report of misconduct of an officer, when the Central Government proposes to award a punishment of forfeiture of seniority in the rank or time for promotion under sub-section (1) of section 94, he may be given an opportunity to show cause, if not already done so by the Flag Officer Commanding-in-Chief or Chief of the Naval Staff, in the manner specified in sub-regulation (2).

(2) Where forfeiture of seniority is awarded, the forfeiture conduct, the Central Government is of the opinion that the officer deserves to be punished, it shall so inform the officer together with all records adverse to him and call upon him to submit in writing, his explanation in defence together with his option, if the same has not been exercised by him earlier, whether he consents to accept summary award under section 94 or elects to be tried by court-martial:

Provided that the Central Government may withhold from disclosure any such report if its disclosure is not in the public interest.

(3) On receipt of the officer's explanation, if any, and if the officer has not elected to be tried by court-martial, the Central Government shall consider it and if the same is found unsatisfactory, may impose the punishment of forfeiture of seniority in the rank or time for promotion as empowered under sub-section (1) of section 94.

**147J. Effect of punishment of forfeiture of seniority in the rank of time for promotion.**—(1) The punishment of forfeiture of seniority and forfeiture of time which may be awarded to officers under section 94 shall be two distinct and separate punishments.

(2) Where forfeiture of seniority is awarded, the forfeiture shall be noted in the Navy list by the post-dating of the seniority of the officer and where forfeiture of time is awarded it shall result only in the delay of promotion to the extent specified in the order of forfeiture.

(3) Forfeiture of seniority under section 94 shall be imposed only for very serious misconduct and the normal punishment under that section shall be forfeiture of time;

(6) Regulation 220 shall be omitted;

(7) After appendix IV, the following appendix shall be inserted, namely:—

#### “APPENDIX V

Form for use at summary trials of officers below the rank of Commander under section 94

(See regulation 147G)

**RANK AND NAME OF THE ACCUSED** .....  
SHIP.....

Question to accused :

1. Have you received a copy of the charge-sheet and statement of witnesses ?

ANSWER

2. Have you had sufficient time to prepare your defence ?  
Answer .

In case of an officer other than a subordinate officer, if the authority dealing summarily with the case proposes to award a punishment of forfeiture of seniority in the rank or time for promotion, the accused officer shall be asked the following option:—

Do you consent to accept a summary award under section 94 or do you elect to be tried by court-martial?

ANSWER

If the accused consent to accept a summary award, the charge-sheet is read.

3. Are you guilty or not of the charges that have just been read to you?

ANSWER

4. Do you wish to make a statement? (To be cautioned in accordance with regulation 147F (5))

If an oral statement is made, its gist or the statement, if in writing, is to be attached.

In the course of a trial of an officer other than a subordinate officer, the Flag Officer Commanding-in-Chief may call and examine any witness, who may be cross-examined by the accused officer and if necessary by the presenting officer. The gist of the statement in the narrative form shall be attached to the proceedings.

**FINDING** .....

**AWARD** .....

[F. No. NL/5522]

C. P. MISHRA, Director(N)

नई दिल्ली, 11 मई, 1983

स्थानक्रम 184:—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और यायु सेना मुख्यालय (सकनीकी सहायक आई बी एम प्रबालक) भर्ती नियम, 1977 को उन बातों के सिवाय अधिकांश करते हुए जिन्हें ऐसे अधिकारण के पूर्वे किया गया है या करने का लोप किया गया है, यायु सेना मुख्यालय, रक्षा मंत्रालय में तकनीकी सहायक (प्रबालक आई बी एम) के पद पर भर्ती की पद्धति का विविधन करने के लिए नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम रक्षा मंत्रालय, यायु सेना मुख्यालय (सकनीकी सहायक प्रबालक आई बी एम) भर्ती नियम, 1983 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रकृत होगी।

2. पद संख्या, कार्यक्रम और वेतनमान:—उक्त पद की संख्या, उसका कार्यक्रम और उसका वेतनमान वह होगा, जो इससे उपायदू अनुसूची के सम्म 2 से 4 में विविधित है।

3. भर्ती की पद्धति, यायु-सीमा और अव्याहृत आदि:—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अहृताएं और उससे संबंधित अन्य मात्राएं ये होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के सम्म 5 से 13 में विविधित हैं।

4. निरूताएं:—वह व्यक्ति,--

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है, उच्च पद पर नियुक्ति का पाल नहीं होगा:

परस्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह ममाधार हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अव्याहृत पक्षकार को लागू स्थीय विधि के अधीन अनुजोड़ है और ऐसा करने के लिए अव्याहृत है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से बूट दे सकेगी।

5. शिखित करने की शक्ति :—जहा केर्ट न मरकार को दह गय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीक्षित है, वहां वह, उसके लिए जो कारण है उन्हें निष्कर्ष करके, इन नियमों के किसी उपबंध का किसी वर्ग या प्रबंध के व्यक्तियों की वायत, अदेश द्वारा शिखित कर सकती।

6. व्याख्या :—इन नियमों की कोई भी वायत ऐसे आवश्यक, आयु-सीमा में छठ और अन्य विधायितों पर प्रभाव नहीं दाती, जिनका केन्द्रीय मरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-ममत्य पर निकाले गए, आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनतानिया और अन्य विभेद प्रबंध के व्यक्तियों के लिए उपलेख करना अपेक्षित है।

### अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	कार्यकरण	बैनरमान अवधि	चयन पद अवधि	सीधे भर्ती किए जाने वाले वर्षों का फायदा	सीधे भर्ती किए जाने वाले वर्षों के लिए शैक्षिक और अन्य अहंताएं
					जाने वाले व्यक्तियों वर्षों का फायदा	व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अहंताएं

1	2	3	4	5	6	6क	7
कार्यकीय सहायक प्रशिक्षक (आईडी एम)	3*	शाधारण केन्द्रीय सेवा	330-10-	लागू नहीं होता	18 से 25 वर्ष	लागू नहीं होता	आवश्यक :

\*कार्यकीय समूह "ग" अराज-भार के पवित्र अनुसूचितीय आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।

समूह "ग" अराज-भार के पवित्र अनुसूचितीय आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।

टिप्पणी :—आयु-सीमा अवधारित करने की नियमिक तारीख वह सारी वर्षों तक रोजगार कार्यालय से नाम सेवने के लिए कहा गया है।

(i) किसी मान्यताप्राप्त विषय-विधानश्वरूप से अधिमानतः विज्ञात विषयों के माध्यमिक वैदिक या गमतुल्य अहंता।  
(ii) आई नी एम इन्डेक्युटिव टाइपराइटर पर प्रतिमिनट 30 ग्राम शुद्ध टंकन की गति।

सीधे भर्ती किए जाने परिवेशों की वायेव्यक्तियों के लिए अवधि विधित आयु और कोई हो सीमिक अहंताएं प्रोप्रति व्यक्तियों की वाया में लागू होगी या नहीं	सर्वी की पद्धतिः सर्वी सीधे होगी प्रोप्रति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण यवि विभागीय, प्रोप्रति या प्रोप्रति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां मिलती हैं जो उनसे संतुलित स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न जिनसे प्रोप्रति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती जाने वाली नामरण किया जाएगा।	सर्वी करने में कितने संवेदनशील होते हैं जो उनसे संतुलित स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की जाएगी।
---	---	--

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	वर्ष	स्थानान्तरण द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा	स्थानान्तरण :	सीधे भर्ती किए गए लागू नहीं होता	

8	9	10	11	12	13
			किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए सत्र 7 में विहित प्रियोंकी निवेशालय के महानाएँ हैं।	(II) वायु सेना मुख्यालय, विग कमांडर/एस सी एस औ या सैन्यव्यवस्था लीडर/सी एस औ वी प्राप्तिकारी—एक अधिकारी—सदस्य (III) प्रशासनिक रूप से सम्बद्ध अवर सर्विस— सदस्य	

[का.सं. 58508/सी ए औ/आर-II]

अर्जन नाम कोहली,  
उप मुख्य प्रणालन अधिकारी

New Delhi, the 11th May, 1983

**S.R.O. 164.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Air Headquarters (Technical Assistant Operator IBM) Recruitment Rules, 1977, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Technical Assistant (Operator IBM) in Air Headquarters, Ministry of Defence namely :—

1. **Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Ministry of Defence, Air Headquarters Technical Assistant (Operator IBM) Recruitment Rules, 1983.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. **Number of the post, classification and scale of pay.**—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto.

3. **Method of recruitment, age limit and qualification etc.**—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. **Disqualification.**—No person,—

(a) Who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) Who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. **Power to relax.**—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order and for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. **Saving.**—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

Name of post	Number of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or Non-selection post	Age limit for direct recruits.	Whether benefit of added years of service under rule 30 of the CCS (Pension) Rules, 1972	Educational and other qualifications required for direct recruits.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(6a)	(7)
Technical Assistant (Operator IBM)	3*	General Central Service vice, Group 'C', Non- Gazetted, Subject to va- riation depen-	Rs. 330-10-380- EB-12-500- EB-15-560.	Not applicable. cable.	Between 18 to 25 years (Relaxable for Government servants upto 35 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).	Not applicable	ESSENTIAL : (i) Matriculation or equivalent qualification preferably with Science subjects from a recognised University/Board.

1	2	3	4	5	6	7
ding on work- load.				Note : The crucial date for determin- ing the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.		(ii) An accurate speed of 30 words per minute in I.B.M. Executive electric type- writer.

Whether age and education qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any.	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion or deputation or transfer grades from which promotion or deputation or transfer to be made.	If a Departmental Promotion or deputation or motion, what is its composition or deputation or transfer from which position.	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.
(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)
Not applicable	Two years	By transfer failing which by direct recruitment.	Transfer Lower Division Clerks and Punch Card Machine Operators with 5 year's regular service in the respective grades of the Armed Forces Headquarters and Inter Service Organisation who possess the qualifications prescribed for direct recruits under column 7.	Group 'C' Departmental promotion Committee : (for confirmation of direct recruits and transferees)	Not applicable

[F. No. 58508]CAO(R-II)(Vol-II)]

नई विलो, 16 मई, 1983

का०नि०आ० 1650—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय बायुसेना (सिविलियन रेडार इंस्ट्रक्टर) भर्ती नियम, 1971 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाए हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय बायुसेना (सिविलियन रेडार इंस्ट्रक्टर) भर्ती (संशोधन) नियम, 1983 है,

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगी।

2. भारतीय बायुसेना (सिविलियन रेडार इंस्ट्रक्टर) भर्ती नियम, 1971 में, स्तम्भ 6 में, “सरकारी सेवकों के लिए शिथिल की जा सकेगी” शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“सरकारी सेवकों के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार पांच वर्ष तक शिथिल की जा सकती है।”

[का०सं० बाय० मुक्का० /23049/343/पी०सी० 3(बी)]

एम०सी० जुनेजा, अधर सचिव

**S.R.O. 165.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Indian Air Force (Civilian Radar Instructor) Recruitment Rules, 1971, namely:—

1. (1) These rules may be called the Indian Air Force (Civilian Radar Instructor) Recruitment (Amendment) Rules, 1983.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Indian Air Force (Civilian Radar Instructor) Recruitment Rules, 1971, in column 6, for the words “Relaxable for Government Servants” the following shall be substituted, namely:—

“Relaxable for Government servants by 5 years in accordance with the instructions issued by the Central Government”.

[F. No. Air HQ/23049/343/PC3(B)]

M. C. JUNEJA, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 मई, 1983

सांकेतिक 166--राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और रक्षा मंत्रालय, भारतीय बल फिल्म और फोटो प्रभाग (लेखा सहायक) भर्ती नियम, 1980 को अधिकार करते हुए उन वासों के सिवाय जिन्हे ऐसे अधिकार के पूर्वे किया गया है या करने का लोप किया गया है सांस्कृत वन फिल्म और फोटो प्रभाग, रक्षा मंत्रालय में लेखा सहायक के पद पर भर्ती की पद्धति का विविधतन करते के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अवैति--

1. संविधान नाम और प्रारम्भ --(1) इन नियमों का संविधान नाम रक्षा मंत्रालय, सांस्कृत वन फिल्म और फोटो प्रभाग, लेखा सहायक भर्ती नियम, 1983 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान --उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उनके वेतनमान ये होंगे, जो इन नियमों से उपाय अनुसूची के सम्म 2 से 4 में विविधिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अहंताए आदि --उक्त पद पर पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अहंताए और उससे संबंधित अन्य बातें ये होंगी जो उक्त अनुसूची के सम्म 5 से 13 में विविधिष्ट हैं।

4. निरहूताएं, वह व्यक्तिस--

(क) जिसने ऐसे व्यक्तिसे, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्तिसे विवाह किया है

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाना है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्तिओं और विवाहके अन्य पक्षकार को सागू स्वीय विवाह के अधीन अनुमेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्तिको हस नियम के प्रकर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिवित करने की शक्ति --जहा केन्द्रीय सरकार की यह गति है कि ऐसा करना आवश्यक या समीक्षीय है, वहा वह, उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखा बल करके, इन नियमों के किसी उपबंध की शक्ति यथा प्रवर्याको की बाबत, आदेश हारा शिवित कर सकेगी।

6. व्यापति --उन नियमों की कोई भी बान ऐसे जारीकरण, आयु-सीमा में छूट और अन्य विवाहको पर प्रभाव नहीं होलेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार हारा इस सबध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जासांचों और अन्य विशेष प्रवर्याको के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

### अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	वयन पद अथवा अवधि पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों वर्षों का कार्यवा के लिए केन्द्रीय व्यक्तियों के लिए सिविल और अन्य अहंताए	सेवा में जोड़े गए व्यक्तियों के लिए वैधिक नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुमेय हो या नहीं
-----------	----------------	----------	---------	---------------------	---	---

1	2	3	4	5	6	6क	7
सेवा सहायक	1*	माध्यारण केन्द्रीय सेवा	425-15-	सागू नहीं होता	30 वर्ष	सागू नहीं होता	आवश्यक :
*कार्य-भार के परिवर्तन किया जा सकता है।	ग्रूप "ग" अराज-पराज	ग्रूप "ग" अराज-पराज	500-द००-०-	(सरकारी सेवको)	के लिए केन्द्रीय सरकार हारा	(सरकारी सेवको)	1. किसी माध्यारणात् विश्वविद्यालय से उपाधि।
आधार पर	परिवर्तन	परिवर्तन अनुसूचित	20-640	जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार विविध सरकारी सेवाएँ	जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार विविध सरकारी सेवाएँ	2. लेखा कार्य का गहन शान और ऐसे कार्य का सरकारी कार्यालय या वाणिज्यिक संस्थान में कम से कम दो वर्ष का अनुभव।	
परिवर्तन	किया जा सकता है।			35 वर्ष की आसक्ति है।	3. लेखा कार्य का गहन शान और ऐसे कार्य का सरकारी कार्यालय या वाणिज्यिक संस्थान में कम से कम दो वर्ष का अनुभव।	टिप्पणी :--अनुभव संबंधी अहंताएँ सभी प्राधिकारी के विवेकानुसार अनुभवित जायियो और अनुभवित जनजातियों के अनुभियों	

6 6a

7

बाले अस्यर्थियो  
में (उत्तरे दिन  
जो अन्दमान और  
निकोबार द्वीप  
समूह तथा अन्ध-  
द्वीप में रहते हैं)  
आदेश प्राप्त  
करने के लिए  
नियन्त्र की गई  
अनियंत्र नारोद्धर  
होगी।

क मामले में उस दशा में  
शिशिर की जा सकती है,  
जब कि चयन के किसी  
प्रश्न पर सक्षम प्राधिकारी  
की यह गति है कि इनके  
लिए आरक्षन रिक्तियों  
को भरने के लिए आंशिक  
अनुमत रखने वाले उन  
समदाय के अस्यर्थी पर्याप्त  
संख्या में उपलब्ध नहीं हो  
सकेंगे।

बाठनीय — किसी मान्यता-  
प्राप्त विष्वविद्यालय से  
धारणिय में उपाधि ।

सीधे भर्ती किए जाने परिवेश की  
बाले अविक्तियों के लिए अवधि यदि कोई  
विहृत आयु और ही  
शैक्षिक अनुसारे  
प्रोफ्रेसि की दशा में  
लागू होनी या नहीं

भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होनी  
या प्रोफ्रेसि द्वारा या प्रतिनियुक्ति/  
स्थानान्तरण द्वारा तथा  
विविध न पद्धतियों द्वारा भर्ती जाने  
बाले रिक्तियों की प्रतिशतता

प्रोफ्रेसि/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण/ यदि विवाहीय प्रोफ्रेसि  
द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां समिति हैं तो उसकी सरचना परिस्थितियों में सभ  
जिनसे प्रोफ्रेसि/प्रतिनियुक्ति/स्था-  
नान्तरण किया जाएगा

भर्ती करने में किन  
लोक सेवा आयोग से  
परामर्श किया जाएगा

8

9

10

11

12

13

लागू नहीं होता

दो वर्ष

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण  
द्वारा जिसके न हो सकने पर  
सीधी भर्ती द्वारा ।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण  
समूह "ग" विभागीय  
संस्कृत बल मुख्यालय लिपिकीय  
सेवा के ऐसे उच्च श्रेणी (सीधे भर्ती किए जाने वाले  
लिपिक, जिन्होंने उस श्रेणी  
में 5 वर्ष नियमित सेवा की है  
और जिसके पास लेखा  
कार्य का दो वर्ष का अनुभव  
है जिसके न हो सकने पर  
वेदान्तीय सरकार के कार्यालयों  
में समान तथा सदृश पद धारण  
करने वाले ऐसे व्यक्ति जिनके  
पास सीधी भर्ती किए जाने  
वाले अविक्तियों के लिए स्तम्भ  
7 में विवित अनुसार हैं।  
(प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसमें  
उसी संगठन/विभाग में इस  
नियुक्ति के टीक पूर्व धारित  
अन्य काउंसिल बाह्य पद पर  
प्रतिनियुक्ति की अवधि सम्पूर्ण-  
तित है, साधारणतया 3  
वर्ष से अधिक नहीं होती)।

लागू नहीं होता

1 उप मुख्य प्रशासनिक  
अधिकारी—अध्यक्ष  
2 प्रशासनिक रूप से सम्बद्ध  
रक्षा मत्रान्तर्य का अवर  
सचिव—सचिव  
3 उप निदेशक, संस्कृत बल  
फिल्म और फोटो प्रभाग  
या समतुल्य—सचिव

New Delhi, the 18th May, 1983

**S.R.O. 166.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Ministry of Defence, Armed Forces Film and Photo Division (Accounts Assistant) Recruitment Rules, 1980, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Accounts Assistant in the Armed Forces Film and Photo Division, Ministry of Defence, namely:—

1. **Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the *Ministry of Defence, Armed Forces Film and Photo Division, Accounts Assistant, Recruitment Rules, 1983*.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. **Number of the post, classification and scale of pay.**—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. **Method of recruitment, age limit and qualifications etc.**—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters concerned herewith shall be as specified in column 5 to 13 of the said Schedule.

**4. Disqualification.—No person,—**

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

**5. Power to relax.**—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order and reason to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

**6. Saving.**—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

**SCHEDULE**

Name of post	Number of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or Non-selection post.	Age limit for direct recruits.	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the CCS (Pension) Rules, 1972.	Educational and other qualifications required for direct recruits.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(6a)	(7)
Accounts Assistant	1*	General *Note Central Subject Service to va- riation depend- ding on work- load.	425-15-500- EB-20-640.	N.A.	30 years (relaxable for Government servants up to 35 years in accor- dance with the ins- tructions or orders issued by the Central Government). Note The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applica- tions from candi- dates in India (other than those in the Andman and Nicobar Islands and Lakshad- weep).	N.A.	<p><b>ESSENTIAL :</b></p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. Degree from a recognised University.</li> <li>2. Thorough knowledge of accounts work and at least two years experience of such work in a Government office or commercial concern.</li> </ol> <p>Note : The qualifications regarding experience are relaxable at the discretion of the Appointing Authority for reasons to be recorded in writing in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes, if at any stage of selection the Appointing Authority is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.</p> <p>Desirable : Degree in Commerce from a recognised University.</p>

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment or by promotion or by deputation or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion or deputation or transfer, grades from which promotion or deputation or transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)
Not applicable	Two years	By transfer on deputation failing which by direct recruitment.	Transfer on deputation : UDCs of AFHQ clerical Service with 5 years' regular J. service in the grade and possessing at least 2 years' experience of accounts work, failing which persons holding similar or analogous posts in Central Government offices and possessing the qualifications prescribed for direct recruits in column 7. (period of deputation including period of deputation in another cadre post held immediately preceding this appointment in the same organisation/department shall ordinarily not exceed 3 years.)	Group 'C' DPC (for confirmation of direct recruits)	N.A.

[F. No. A/14384/CAO/R-II]  
 A. N. KOHLI,  
 Deputy Chief Administrative Officer.

